प्रस्तावना

यह पुस्तक **CUET UG हिंदी** परीक्षा की तैयारी के लिए एक संपूर्ण और विस्तृत मार्गदर्शिका के रूप में प्रस्तुत की गई है।

इसमें **2022 से 2024** तक के पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र (PYQ) शामिल हैं,जो छात्रों को परीक्षा के प्रश्नों के प्रकार और संरचना को समझने में मदद करेंगे।

पुस्तक में **10 मॉक टेस्ट** भी दिए गए हैं, जो छात्रों को वास्तविक परीक्षा का अनुभव प्रदान करते हैं और उनकी तैयारी का उन्नति की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं।

प्रत्येक प्रश्न के साथ **प्रश्न का समाधान भी** उपलब्ध कराया गया है, ताकि आप न केवल सही उत्तर जान सकें, बल्कि प्रश्नों को हल करने की प्रक्रिया भी समझ सकें। इस प्रकार, यह पुस्तक आपको न केवल समय प्रबंधन में मदद करती है, बल्कि आपके विश्लेषणात्मक कौशल को भी मजबूत बनाती है।

साथ ही, पुस्तक में प्रश्नों को **विषय और अध्याय के अनुसार व्यवस्थित** किया गया है, जिससे आप अपनी तैयारी को एक संगठित और सुव्यवस्थित तरीके से कर सकें। इससे आपको परीक्षा के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद मिलेगी।

यह पुस्तक केवल प्रश्नों के अभ्यास का माध्यम ही नहीं है, बल्कि परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्न जैसे - **संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण,साहित्यिक रचनाएं, पुनर्व्यवस्थापीकरण, अवबोधन क्षमता, पर्यायवाची, विलोम** इत्यादि का विस्तृत व्याख्या भी प्रस्तुत करता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों का एक ठोस आधार तैयार होगा जो इस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

इस पुस्तक का उद्देश्य आपको CUET UG हिंदी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए एक ठोस और प्रभावी अध्ययन सामग्री प्रदान करना है। हम आशा करते हैं कि यह मार्गदर्शिका आपकी मेहनत को सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी और आप परीक्षा में सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करेंगे।

आपकी सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

कृतज्ञता ज्ञापन

सर्वप्रथम, मैं इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज (IFAS) के सभी छात्रों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनकी प्रेरणा से यह पुस्तक लिखने का अवसर प्राप्त हुआ। मैं IFAS एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक सीईओ एवं IFAS पब्लिकेशन के निर्देशक, इंजीनियर राधेश्याम चौधरी का विशेष रूप से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने इस पुस्तक को पूर्ण करने में अपनी अमूल्य सहायता और महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए।

मैं **शिवम गुप्ता (UGC NET)** एवं **मौ. हसीन (UGC NET)** का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने उत्तरों को सत्यापित और प्रूफरीडिंग करने, समीक्षा करने तथा पुस्तक की सुनियोजित संरचना तैयार करने में मेरी सहायता की। उनके सुझाव इस पुस्तक की सामग्री को बेहतर बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहे।

मैं वैष्णवी भिलारे का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने प्रश्नों को अध्याय और अनुभागवार व्यवस्थित एवं संकलित करने में सहायता प्रदान की।

मैं IFAS की संपूर्ण टीम का भी आभारी हूँ, जहाँ मैंने अपने शिक्षण कार्य को जारी रखने के साथ-साथ पुस्तक निर्माण की जटिल प्रक्रिया को और अधिक गहराई से समझने का अवसर प्राप्त किया।

यह पुस्तक सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, और यह **IFAS पब्लिकेशन टीम** के सभी सदस्यों के उत्कृष्ट सहयोग के बिना संभव नहीं हो पाती। इस पुस्तक के निर्माण के दौरान, मुझे कई समर्पित और रचनात्मक व्यक्तियों के साथ कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

विशेष रूप से, मैं गीतांजली जाधव का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने इस परियोजना की नियमित निगरानी की, और विकेंद्र मेहता का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हमारी कल्पनाओं को सुंदर आवरण पृष्ठ एवं चित्रों के रूप में साकार किया। मैं कुलदीप सिंह राठौर और उनकी टीम का भी धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने पुस्तक के प्रारूपण (फॉर्मेटिंग) और टाइपसेटिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंत में, मैं उन सभी व्यक्तियों को सादर नमन करता हूँ, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया, किंतु जिनका नाम यहाँ उल्लिखित नहीं हो सका।

आप सभी का हृदय से धन्यवाद!

INDEX

CUET (UG) - HINDI

भाग – 1: अवबोधन क्षमता 1

भाग – 2: मौखिक क्षमता 13

भाग – 3: पुनर्व्यवस्थापन 20

भाग – 4: सही शब्द चयन 23

भाग – 5: विलोम और पर्यायवाची शब्द 31

भाग – 6: शब्दावली (उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि) 36

भाग – 7: साहित्यिक रचनाएं 43

भाग – 8: संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण,कारक. 47

मॉक टेस्ट – 1 52

मॉक टेस्ट – 2 61

मॉक टेस्ट – 3 71

मॉक टेस्ट – 4 80

मॉक टेस्ट – 5 89

मॉक टेस्ट – 6 98

मॉक टेस्ट – 7 108

मॉक टेस्ट – 8 117

मॉक टेस्ट – 9 124

मॉक टेस्ट – 10 130

CUET (UG) हिंदी में पूछे गए प्रश्नों की संख्या - (2022 से 2024)

भाग		2022	2023	2024
1	अवबोधन क्षमता	30	15	24
2	मौखिक क्षमता	2	9	14
3	पुनर्व्यवस्थापन	6	-	-
4	सही शब्द चयन	3	4	23
5	विलोम और पर्यायवाची शब्द	6	4	8
6	शब्दावली (उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि)	3	10	15
7	साहित्यिक रचनाएं	0	2	8
8	संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण,कारक.	0	6	8

भाग
1

अवबोधन क्षमता

भाग 1

अवबोधन क्षमता

पिछले वर्ष के परीक्षा प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके आधार पर (1-11) प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

निश्चय ही पर्यावरण को विकृत और दूषित करने वाली समस्त आपदाएँ हमारी अपनी ही बनाई हुई हैं। हम स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। इसी असंतुलन से भूमि, वायु, जल और ध्वनि के प्रदूषण उत्पन्न हो रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण से फेफड़ों के रोग, हृदय और पेट की बीमारियाँ, देखने और सुनने की क्षमता में कमी, मानसिक तनाव आदि बीमारियाँ पैदा हो रही हैं। हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति संतुलन से ही संभव हो सकता है। प्राकृतिक वनस्पतियों से ढक न जाए इसलिए घास खाने वाले प्रयाप्त संख्या में थें इन घास खाने वाले जानवारों की संख्या को सीमित रखने के लिए हिंसक जंतु भी थे। इन तीनों का अनुपात संतुलित और नियंत्रित था अधुनिक युग में वैज्ञानिक आविष्कारों और उद्योग धंधों के विकास फैलाव के साथ साथ जनसंख्या का भी भयावह विस्फोट हुआ है। बढ़ती आबादी की अपनी भोजन, वस्त्र और आवास की समस्याएँ हैं जिनकी पूर्ति के लिए धरती के संचित संसाधनों का अंधाधुंध बेरहमी से दोहन किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर वन काटे जा रहे हैं। खेती करने, घर बनाने, कल करखाने लगाने, सड़कें और रेल की पटरियाँ बिछाने के लिए भूमि चाहिए। सिंचाई और बिजली की आपूर्ति करने के लिए नदियों और झरनों के स्वाभाविक प्रवाहों को मोड़, बदल और रोककर बड़े बड़े बाँध बनाए जाते हैं, जिससे जंगल जलमग्न होते हैं। इमारती लकड़ी और कच्चे माल के लिए गत पचास वर्षों से वनों की कटाई इतनी तेजी से हुई है कि वनों और पशु-पक्षियों का सफाया हो गया है। दूसरी ओर रासायनिक उर्वरकों कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव ने भूमि को उसर दूषित और विषैला बना दिया है, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्यकर और शुद्ध अनाज तथा फल-सब्जियाँ दुर्लभ हो गई हैं।

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

1. पर्यावरण प्रदूषण की समस्त आपदाएं किसकी बनाई हुई है?

(1) ईश्वर (2) मनुष्य
(3) प्रकृति (4)उद्योग

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

2. पर्यावरण प्रदूषण से मनुष्य किस तरह की समस्याओं से जूझ रहा है?

(1) आर्थिक
(2) शारीरिक एवं मानसिक
(3) धार्मिक
(4) सामाजिक

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

3. धरती पर जीवन कैसे संभव है?

(1) धार्मिक संतुलन से (2) उद्योग संतुलन से
(3) प्रकृति संतुलन से (4) मुद्रा संतुलन से

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

4. उद्योग धन्धों के विकास से निम्नलिखित में से किसका भयावह विस्फोट हुआ है?

(1) बम विस्फोट (2) जनसंख्या विस्फोट
(3) विद्युत विस्फोट (4) ज्वालामुखी विस्फोट

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

5. बढ़ती आबादी के कारण धरती के संचित संसाधनों का क्या किया जा रहा है?

(1) शोधन (2) प्रबन्धन
(3) दोहन (4) संरक्षण

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

6. नदियों और झरनों के स्वाभाविक प्रवाहों को मोड़कर बड़े-बड़े बनाए जा रहे है?

(1) बांध (2) फ्लाईओवर
(3) कारखाने (4) इमारतें

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

7. पचास वर्षों से वनों की कटाई तेज गति से होने का प्रमुख कारण है-

(1) कल-कारखाने लगाना
(2) इमारती लकड़ी
(3) बांध बनाना
(4) पर्यावरण प्रदूषण रोकना

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

8. भोजन, वस्त्र और आवास की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं किसके कारण?

(1) वैज्ञानिक आविष्कार (2) बांधों का निर्माण
(3) बढ़ती आबादी (4) वनों का कटाव

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

9. जंगल जलमग्न क्यों हो जाते है?

(1) बहुमंजिला इमारतें बनाए जाने के कारण
(2) बांध बनाए जाने के कारण
(3) कल- कारखाने लगाए जाने के कारण
(4) नदियों में ज्यादा पानी भर जाने के कारण

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

10. बांध बनाए जाने का मुख्य कारण कौन सा है?

(1) पर्यावरण की सुन्दरता के लिए
(2) सिंचाई और बिजली की आपूर्ति के लिए
(3) पानी की आपूर्ति के लिए
(4) पर्यावरण के संतुलन के लिए

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

11. रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव ने भूमि को कैसा बना दिया है?

(1) उपजाऊ (2) ऊसर
(3) उर्वरक (4) ऊबड़-खाबड़

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके आधार पर (12-20) प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

इंग्लैण्ड के एक विद्वान को युवावस्था में राज-दरबारियों में जगह नहीं मिली। इसपर जिन्दगी भर वह अपने भाग्य को सराहता रहा। बहुत से लोग तो इसे अपना बड़ा भारी दुर्भाग्य समझते, पर वह अच्छी तरह जानता था कि वहाँ वह बुरे लोगों की संगति में पड़ता जो उसकी आध्यात्मिक उन्नति में बाधक होते । बहुत-से लोग ऐसे होते हैं, जिनके घड़ी भर के साथ से भी बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है, क्योंकि उतने ही बीच में ऐसी-ऐसी बातें कही जाती हैं जो कानों में न पड़नी चाहिए, चित्त पर ऐसे प्रभाव पड़ते हैं, जिनसे उसकी पवित्रता का नाश होता है। बुराई अटल भाव धारण करके बैठती हैं, बुरी बातें हमारी धारणा में बहुत दिनों तक टिकती हैं। इस बात को प्रायः सभी लोग जानते हैं कि भद्दे व फूहड़ गीत जितनी जल्दी ध्यान पर चढ़ते हैं, उतनी जल्दी कोई गंभीर या अच्छी बात नहीं। एक बार एक मित्र ने मुझसे कहा कि उसने लड़कपन में कहीं से बुरी कहावत सुनी थी, जिसका ध्यान वह लाख चेष्टा करता है कि न आए, पर बार-बार आता है। जिन भावनाओं को हम दूर रखना चाहते हैं, जिन बातों को हम याद करना नहीं चाहते, वे बार-बार हृदय में उठती हैं और बेधती हैं। अतः तुम पूरी चौकसी रखो, ऐसे लोगों को साथी न बनाओ जो अश्लील, अपवित्र और फूहड़ बातों से तुम्हें हँसाना चाहें। सावधान रहो। ऐसा न हो कि पहले-पहल तुम इसे एक बहुत सामान्य बात समझो और सोचो कि एक बार ऐसा हुआ, फिर ऐसा न होगा। अथवा तुम्हारे चरित्र बल का ऐसा प्रभाव पड़ेगा कि ऐसी बातें। बकनेवाले आगे चलकर आप सुधर जाएँगे। नहीं, ऐसा नहीं होता है।

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

12. निम्नलिखित में से कुसंग का अर्थ है-

(1) बुरी संगति (2) संगति
(3) सद्गति (4) दुर्गति

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

13. कुसंगति से नाश होता है-

(1) मन-मस्तिष्क का (2) नीति और सद्वृत्ति का
(3) सामर्थ्य का (4) शारीरिक शान्ति का

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

14. 'सत्संग' शब्द का विलोमार्थी है:

(1) बुराई (2) भलाई
(3) सुसंगति (4) कुसंग

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

15. लड़कपन में बालकों का ध्यान किस से आकर्षित होता है-

(1) सत्संग (2) कथा-प्रवचन
(3) सिनेमा (4) भद्दे- फूहड़ गीत

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

16. आध्यात्मिक उन्नति में बाधक होती है-

(1) अच्छे लोगों की संगति (2) बुरे लोगों की संगति
(3) संतों की संगति (4) भक्तों की संगति

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

17. बुरी बातों का चित्त पर प्रभाव पड़ने से होता है-

(1) स्वास्थ्य का क्षय (2) मानसिक संताप
(3) पवित्रता का नाश (4) बुद्धि का हास

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

18. किस प्रकार के बल के कारण मनुष्य कुसंगति का शिकार होने से बच जाता है-

(1) शारीरिक बल (2) बौद्धिक बल
(3) चारित्रिक बल (4) आध्यात्मिक बल

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

19. लड़कपन में किस तरह के साथियों से सावधान रहना चाहिए-

(1) पढ़ाई में कमजोर
(2) चापलूस
(3) अश्लील, अपवित्र विचार वाले
(4) अनुशासनहीन

[30 अगस्त 2022, सिफ्ट- 2]

20. 'पूरी चौकसी सी रखना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

(1) खड़े रहना (2) सावधान रहना
(3) तैयार रहना (4) निर्भय रहना

[19 जुलाई 2024 सिफ्ट-1]

64. जीवन में सफलता के लिए क्या आवश्यक है?

(1) विश्राम (2) परिश्रम
(3) सिफारिश (4) धन

[19 जुलाई 2024 सिफ्ट-1]

65. मनुष्य की कार्य सिद्धि किससे नहीं होती?

(1) संघर्ष (2) उद्योग
(3) परिश्रम (4) केवल इच्छा भाव

[19 जुलाई 2024 सिफ्ट-1]

66. सफलता को किसकी दासी कहा गया है?

(1) परिश्रम (2) त्याग
(3) दान (4) परोपकार

[19 जुलाई 2024 सिफ्ट-1]

67. 'उद्यम' का समानार्थी शब्द है-

(1) साहस (2) सहयोग
(3) परिश्रम (4) सफलता

[19 जुलाई 2024 सिफ्ट-1]

68. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है-

(1) आलसी जीवन (2) सफलता का महत्व
(3) जीवन में सफलता (4) परिश्रम का महत्व

[19 जुलाई 2024 सिफ्ट-1]

69. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I: आलसी और अकर्मण्य व्यक्ति को ही सफलता वरण करती है ।

कथन II: मनुष्य ने जितना अधिक संघर्ष किया, उतनी ही अधिक अवनति की |

उपर्युक्त कथन के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(1) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(2) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
(4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

उत्तर कुंजी									
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
(2)	(2)	(3)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)	(2)	(2)
11	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
(2)	(1)	(2)	(4)	(4)	(2)	(3)	(3)	(3)	(2)
21	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
(3)	(2)	(3)	(1)	(2)	(2)	(1)	(2)	(4)	(1)
31	**32**	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
(2)	(4)	(4)	(1)	(3)	(1)	(4)	(2)	(1)	(4)
41	**42**	**43**	**44**	**45**	**46**	**47**	**48**	**49**	**50**
(4)	(4)	(2)	(3)	(2)	(2)	(3)	(2)	(2)	(1)
51	**52**	**53**	**54**	**55**	**56**	**57**	**58**	**59**	**60**
(3)	(2)	(1)	(2)	(3)	(3)	(2)	(4)	(1)	(1)
61	**62**	**63**	**64**	**65**	**66**	**67**	**68**	**69**	
(1)	(2)	(2)	(2)	(4)	(1)	(3)	(4)	(2)	

उत्तर

1. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि पर्यावरण को विकृत और दूषित करने वाली समस्त आपदाएँ हमारी अपनी ही बनाई हुई हैं। हम स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। अत: सही उत्तर **(2) मनुष्य** है।

2. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि पर्यावरण प्रदूषण से फेफड़ों के रोग, हृदय और पेट की बीमारियाँ, देखने और सुनने की क्षमता में कमी, मानसिक तनाव आदि बीमारियाँ पैदा हो रही हैं, जो **शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का संकेत देती हैं।**

3. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि धरती पर जीवन **प्रकृति संतुलन** से ही संभव हो सकता है। अत: सही उत्तर वाला विकल्प: **(3) प्रकृति संतुलन से।**

4. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में कहा गया है कि आधुनिक युग में वैज्ञानिक आविष्कारों और उद्योग धंधों के विकास के साथ-साथ **जनसंख्या का भी भयावह विस्फोट हुआ है।**

5. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि बढ़ती आबादी की अपनी भोजन, वस्त्र और आवास की समस्याओं की पूर्ति के लिए धरती के संचित संसाधनों का अंधाधुंध बेरहमी से **दोहन** किया जा रहा है।

6. उत्तर (1): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि सिंचाई और बिजली की आपूर्ति करने के लिए नदियों और झरनों के स्वाभाविक प्रवाहों को मोड़कर बड़े-बड़े **बाँध** बनाए जाते हैं।

7. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि **इमारती लकड़ी** और कच्चे माल के लिए गत पचास वर्षों से वनों की कटाई इतनी तेजी से हुई है कि वनों और पशु-पक्षियों का सफाया हो गया है।

8. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में कहा गया है कि **बढ़ती आबादी** की अपनी भोजन, वस्त्र और आवास की समस्याएँ हैं, जिनकी पूर्ति के लिए धरती के संचित संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है।

9. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि नदियों और झरनों के स्वाभाविक प्रवाहों को मोड़कर **बड़े-बड़े बाँध** बनाए जाते हैं, जिससे जंगल जलमग्न होते हैं। अत: सही उत्तर **(2) बांध बनाए जाने के कारण** है।

10. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि **सिंचाई और बिजली की आपूर्ति** करने के लिए नदियों और झरनों के स्वाभाविक प्रवाहों को मोड़कर बड़े-बड़े बाँध बनाए जाते हैं।

11. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में कहा गया है कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव ने भूमि को **ऊसर,** दूषित और विषैला बना दिया है।

12. उत्तर (1): व्याख्या 'कुसंग' शब्द का अर्थ **'बुरी संगति'** होता है, जो व्यक्ति को अवनति की ओर ले जाती है।

13. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि **कुसंगति नीति और सद्वृत्ति का नाश करती है**, जिससे व्यक्ति के नैतिक और सद्गुणों का ह्रास होता है।

14. उत्तर (4): व्याख्या 'सत्संग' का अर्थ 'अच्छी संगति' होता है, जबकि उसका **विलोम 'कुसंग' अर्थात 'बुरी संगति' है।**

15. उत्तर (4): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि **भद्दे व फूहड़ गीत** जल्दी ध्यान पर चढ़ते हैं, जो बालकों के चित्त को आकर्षित करते हैं।

16. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में इंग्लैंड के एक विद्वान का उदाहरण दिया गया है, जिन्होंने **बुरी संगति** से बचने के लिए राज-दरबार में स्थान न मिलने को अपना सौभाग्य माना, क्योंकि **बुरी संगति आध्यात्मिक उन्नति में बाधक होती है।**

17. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि बुरी बातों का चित्त पर प्रभाव पड़ने से उसकी **पवित्रता का नाश** होता है।

18. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में सलाह दी गई है कि व्यक्ति को ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो अश्लील, अपवित्र और फूहड़ बातों से हँसाना चाहें। **यह चारित्रिक बल के माध्यम से ही संभव है।**

19. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि ऐसे लोगों को साथी न बनाओ जो **अश्लील, अपवित्र और फूहड़** बातों से तुम्हें हँसाना चाहें।

20. उत्तर (2): व्याख्या 'पूरी चौकसी रखना' मुहावरे का अर्थ **'सावधान रहना'** होता है, जो गद्यांश में कुसंगति से बचने के लिए प्रयुक्त हुआ है।

21. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि उत्साह वास्तव में कर्म और फल की मिली-जुली अनुभूति है, जिसकी प्रेरणा से **तत्परता** आती है।

22. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि **उत्साह** वास्तव में **कर्म और फल** की मिली-जुली अनुभूति है।

23. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में उदाहरण दिया गया है कि यदि हमें यह निश्चय हो जाए कि अमुक स्थान पर जाने से **किसी प्रिय व्यक्ति का दर्शन होगा,** तो हमारी यात्रा अत्यंत प्रिय हो जाएगी।

24. उत्तर (1): व्याख्या गद्यांश में कहा गया है कि फल की इच्छा मात्र हृदय में रखकर जो प्रयत्न किया जाएगा, वह अभावमय और **आनंदशून्य** होने के कारण निर्जीव-सा होगा।

25. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि कर्म-रुचि-शून्य प्रयत्न में कभी-कभी इतनी उतावली और **आकुलता** होती है कि मनुष्य साधना के उत्तरोत्तर क्रम का निर्वाह न कर सकने के कारण बीच ही में चूक जाता है।

26. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में उदाहरण दिया गया है कि यदि किसी व्यक्ति को पता चले कि नीचे उतरने पर सोने का ढेर मिलेगा, तो उसका चित्त **प्रफुल्लित** हो जाता है।

27. उत्तर (1): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि **फल** की भावना से उत्पन्न आनंद भी साधक कर्मों की ओर हर्ष और तत्परता के साथ प्रवृत्त करता है।

28. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में कहा गया है कि यही **प्रफुल्लता** कठिन से कठिन कर्मों के साधन में भी देखी जाती है।

29. उत्तर (4): व्याख्या यहाँ 'कर्म-पथ' से तात्पर्य उस मार्ग या प्रक्रिया से है, जिसके माध्यम से हम कर्म करते हैं। यदि यह मार्ग हमें अच्छा नहीं लगेगा, तो केवल फल की इच्छा पर्याप्त नहीं होगी। **अत: सही उत्तर वाला विकल्प है: (4) कर्म करने का सही मार्ग।**

30. उत्तर (1): व्याख्या 'हार कर बैठ जाना' एक **मुहावरा** है, जिसका अर्थ है प्रयास छोड़ देना या असफल होकर प्रयास बंद कर देना।

31. उत्तर (2): व्याख्या यह गद्यांश मुख्य रूप से लेखक के यूरोप, विशेष रूप से जर्मनी में रेल यात्रा के अनुभवों पर आधारित है। इसमें वहाँ की स्वच्छता, अनुशासन, औद्योगिक विकास, और यात्रा के दौरान हो रही चर्चाओं का वर्णन किया गया है, जिससे "**यूरोप यात्रा**" शीर्षक सबसे उपयुक्त प्रतीत होता है।

32. उत्तर (4): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि "आखिर यूँ ही यह यूरोप का सबसे विकसित देश तो नहीं बना है न।" यह वाक्य **जर्मनी** की स्वच्छता, अनुशासन, और औद्योगिक विकास की ओर संकेत करता है।

33. उत्तर (4): व्याख्या गद्यांश में "वहाँ न्यूनतम प्रसाधन के सारे इन्तजाम थे।" यह वाक्य संकेत करता है कि यात्रियों की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए बाथरूम और अन्य सुविधाएं उपलब्ध थीं, जिससे उनकी यात्रा सुगम हो सके।

34. उत्तर (1): व्याख्या गद्यांश में उल्लेख है कि **"हम तीनों धुआँधार बातें कर रहे थे, बहस कर रहे थे और एक-दूसरे को भद्रता से सुन भी रहे थे।"** इससे स्पष्ट होता है कि लेखक और उसके मित्र हिंदी में बातचीत कर रहे थे, जिससे जर्मनी के वायुमंडल में हिंदी की ध्वनियाँ गूंज रही थीं।

35. उत्तर (3): व्याख्या गद्यांश में "बेहद खूबसूरत दृश्यावलियाँ" शब्द आया है, जिसका अर्थ **"सुंदर"** से मेल खाता है। अन्य पर्यायवाची में "मनोहर" और "आकर्षक" भी उपयुक्त हो सकते हैं।

36. उत्तर (1): व्याख्या गद्यांश में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि **"हमारे देश में पैदा होने वाला हर बच्चा, जो संयोग से जिस जाति का नाम धारण करने वाले मां-बाप के घर पैदा हो जाता है या जिस मज़हब को मानने वाले मां-बाप के घर जन्म लेता है, तो उस जाति के और उस मज़हब के कानून उस पर इस तरह लागू हो जाते हैं कि वह जब तक जीता है, वह इजाज़तों और पाबंदियों की पकड़ से नहीं निकल पाता।"** इससे स्पष्ट होता है कि बच्चे की संस्कृति और धर्म उसके जन्म से ही निर्धारित हो जाता है, न कि उसकी इच्छा या किसी अन्य कारक से।

37. उत्तर (4): व्याख्या गद्यांश में 'मज़हब' का प्रयोग जिस संदर्भ में किया गया है, उसमें इसका समानार्थी शब्द **'धर्म'** उपयुक्त है। 'मज़हब' अरबी मूल का शब्द है, जिसका हिंदी में समानार्थक 'धर्म' होता है, जो किसी व्यक्ति की धार्मिक आस्था और मान्यताओं को दर्शाता है।

38. उत्तर (2): व्याख्या गद्यांश में बताया गया है कि **"उस जाति के और उस मज़हब के कानून उस पर इस तरह लागू हो जाते हैं कि वह जब तक जीता है, वह इजाज़तों और पाबंदियों की पकड़ से नहीं निकल पाता।"** इससे स्पष्ट होता है कि मनुष्य जाति और मज़हब द्वारा लगाए गए नियमों और परंपराओं के कारण पाबंदियों से मुक्त नहीं हो पाता।

39. उत्तर (1): व्याख्या गद्यांश में मुख्य रूप से **मज़हब (धर्म) और मनुष्य के जीवन पर उसकी पाबंदियों के प्रभाव** पर चर्चा की गई है। इसमें बताया गया है कि कैसे जाति और मज़हब के नियम जन्म से ही व्यक्ति पर लागू हो जाते हैं और पूरी जिंदगी उसे इनकी पाबंदियों में रहना पड़ता है। इसलिए **"मज़हब एवं मनुष्य"** शीर्षक सबसे उपयुक्त है।

40. उत्तर (4): व्याख्या 'गवाही' का अर्थ होता है **किसी तथ्य या घटना की पुष्टि करने वाला प्रमाण या साक्ष्य**। गद्यांश में 'गवाही' शब्द इसी संदर्भ में प्रयोग किया गया है, इसलिए इसका सही पर्यायवाची **'प्रमाण (साक्ष्य)'** होगा।

41. उत्तर (4): व्याख्या यह पद्यांश **बिहारीलाल** द्वारा रचित है। इसमें श्रीकृष्ण और गोपियों के बीच की लीला का वर्णन किया गया है, जो बिहारीलाल की काव्य शैली की विशेषता है। महाकवि बिहारीलाल की प्रमुख रचना **'बिहारी सतसई'** है, जो हिंदी साहित्य में अत्यंत प्रसिद्ध है। इस कृति में 713 दोहों का संग्रह है। 'बिहारी सतसई' हिंदी साहित्य के रीतिकाल की महत्वपूर्ण कृति मानी जाती है।

42. उत्तर (4): व्याख्या पद्यांश में **राधा जी श्रीकृष्ण की मुरली छुपा रही हैं**। उन्होंने मुरली को छुपाकर प्रेमपूर्ण और हास्यपूर्ण संवाद किया है। यह कृष्ण-लीला का एक प्रमुख प्रसंग है, जहाँ **राधा और सखियाँ श्रीकृष्ण से छेड़छाड़ करती हैं** और उनकी मुरली को छिपा लेती हैं।

43. उत्तर (2): व्याख्या पद्यांश में गोपियाँ **श्रीकृष्ण से बातचीत करने के लालच में उनकी मुरली छुपा रही हैं**। वे कृष्ण से बात करने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए मुरली छिपाकर नटखट अंदाज में संवाद कर रही हैं।

44. उत्तर (3): व्याख्या पद्यांश में **श्रीकृष्ण और गोपियों (विशेष रूप से राधा) के बीच प्रेमपूर्ण छेड़छाड़ और संवाद का वर्णन किया गया है**, जो **श्रृंगार रस** को प्रकट करता है। इसमें हास्य, प्रेम और संकोच का सुंदर मिश्रण है, जो श्रृंगार रस की विशेषता है।

45. उत्तर (2): व्याख्या पद्यांश में गोपियाँ **श्रीकृष्ण से परिहास कर रही हैं और मुरली छुपाने के बाद उनकी ओर देखकर भौंहों और आँखों को नचा रही हैं**। यह उनकी चंचलता और प्रेम भरी छेड़छाड़ को दर्शाता है, जो कृष्ण-लीला का एक प्रमुख हिस्सा है।

46. उत्तर (2): व्याख्या यह पद्यांश **राम** को संबोधित है। यह पद्यांश, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'राम की शक्ति पूजा' से लिया गया है। इसमें जाम्बवान राम को संबोधित